

ग्रसाधा

EXTRAORDINARY

भाग II---काण्ड 3--- उपकाण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (H)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 643]

नई बिल्ली, ब्जवार, दिसम्बर 29, 1971/पीष 8, 1893

No. 643] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 29, 1971/PAUSA 8, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रानंग संकलन के कप में रजा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 29th December 1970

S.O. 5591.—In exercise of the powers conferred by section 18F of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), read with section 21 of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897), the Central Government hereby rescinds the notified order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development and Internal Trade (Department of Industrial Development), No. S.O. 3256, dated the 31st August, 1971.

[No. F. 9(13)/Lic.Pol./71.]

भौधोगिक विकास मंत्रालय

(ग्रीशोगिक विकास विभाग)

श्रादेश

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1971

का॰ थाः 5591.——साधारण खण्ड अधिनियम, 1897 (1897 का 10) की घारा 21 के साथ पठित उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) को धारा 18-च द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के भ्रौद्योगिक विकास तथा श्रांतरिक क्यापार मंत्रालय (भ्रौद्योगिक विकास विभाग) के श्रधिमूचिन श्रादेश स ० का० श्रा० 3256, दिनांक 31 श्रगस्त, 1971, को एनद्द्वारा विखण्डित करता है।

- 8.0. 5592.—Whereas the Central Government is satisfied from the documentary evidence in its possession—
 - (i) that the industrial undertaking owned by the Osmanshahl Mills Limited, Nanded, has been closed for a period of not less than three months; and
 - (li) that such closure is prejudicial to the concerned scheduled industry, namely, the cotton textile industry, and that the financial condition of the said company and the condition of the plant and machinery of the undertaking of such company at Nanded are such that it is possible to re-start the undertaking and such re-starting is necessary in the interests of the general public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby authorises the Maharashira State Textile Corporation (hereinafter referred to as "the Authorised person") to take over the management of the whole of the undertaking of the Osmanshahi Mills Limited at Nanded, subject to the following terms and conditions, namely:—

- The authorised person shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government;
- (ii) The authorised person shall hold office for a period of five years from the date of publication of this Order in the Official Gazette; and
- (iii) The Central Government may terminate the appointment of the authorised person earlier, if it considers it necessary to do so.
- 2. This Order shall have effect for a period of five years commencing from the date of its publication in the Official Gazette.

[No. F. 9(13)/Lic Pol./71.]S. K. SAHGAL, Jt. Secy.

का० द्या० 5592.—यतः केन्द्रीय सरकार का ध्रपने गधिकार में प्रलेखीय साक्ष्य से समाधान हो गया हैं—

- (i) कि उस्मानशाही मिल्स लिमिटेड नान्देड के स्वामित्व में क्रोद्योगिक उपक्रम तीन महीने से श्रन्यून समय से बन्द पड़ा है; श्रीर
- (ii) िक उसके इस प्रकार बन्द होने से सम्बन्धित अनुसूचित उद्योग प्रर्थात् सूती वस्त्र उद्योग पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ता है और यह िक उक्त समवाय की वित्तीय स्थिति तथा उस समवाय के नान्देड में स्थित उपक्रम के सन्यन्त तथा मशीनों की दशा ऐसी है िक उपक्रम को पुनः चालूकरना सम्भव है और उसे इस प्रकार पुनः चाल् करना जनसाधारण के हित में आवश्यके है;

भ्रतः भ्रव, उद्योग (विकास तथा विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-कक की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिलतयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्शारा महाराष्ट्र राज्य वस्त्र निगम (जिसे एतदोपरान्त "प्राधिकृत व्यक्ति" कहा जायेगा) को नान्देड़ स्थित उस्मानशाही मिल्स लिमिटेड नामक उपरोक्त सम्पूर्ण उपक्रम का प्रबन्ध भ्रपने ग्रिधिकार में लेने के लिए, निम्नलिखित शतीं के श्रिधीन, प्राधिकृत करती है अर्थात्:—

|(i) प्राधिकृत व्यक्ति, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर दिये गये निदेशों का पालन करेगा;

- (ii) प्राधिकृत व्यक्ति इस भावेश के सरकारी राजपन्न में प्रकाशित होने की ता । ख से पाच वर्ष तक की भविध के लिए पद धारण करेगा; भीर
- (iii) केन्द्रीय सरकार, यदि वह ऐसा करना भावश्यक समग्रेगं, तो उससे पूर्व भी इस प्राधिकृत व्यक्ति को निय्कित को समान्त कर सकती है।
- 2 यह झादेश सरकारी राज्यक्र में इसके प्रकाशित होने की तारीख से झारम्भ होने वाली पांच वर्ष की झवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

[सं॰ फा॰ 9(13)/लाई॰ पो लि॰/71] सु॰ कु॰ सहगल, संयुक्त सचिव।

